प्रिय शेयरधारकों ,

आप सभी को सुप्रभात,

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 67वीं वार्षिक साधारण बैठक में अपने निदेशक मंडल की ओर से सभी सम्मानित शेयरधारकों का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। आपकी गरिमामय उपस्थिति के लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

मुझे आपके साथ यह जानकारी साझा करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान आपकी कंपनी ने नए निष्पादन बेंचमार्क के साथ अपनी उत्कृष्ट विकास यात्रा को जारी रखा है। वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने अब तक की उच्चतम रिफाइनिंग थ्रूपुट, बिक्री मात्रा एवं ईबीआईडीटीए हासिल की है। लगातार तीसरे वर्ष कर उपरांत लाभ 6,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

यह उत्कृष्ट निष्पादन सभी विभागों एवं व्यावसायिक इकाइयों के सामूहिक प्रयासों के परिमणामस्वरुप सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन हेतु प्राप्त किया गया। आपका निरंतर सहयोग और विश्वास हमें अपने निष्पादन को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रेरित करता रहता है।

मुझे आप से यह साझा करते हुए हार्दिक प्रसन्नता है कि आपकी कंपनी को वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार लगातार 11वें वर्ष "उत्कृष्ट" रेटिंग प्राप्त हुई है। वर्ष 2017-18 के निष्पादन के आधार पर आपकी कंपनी ने लगातार दूसरी बार 10 उच्चतम लाभ अर्जित करने वाले केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के बीच रैंकिग में सुधार के साथ अपना स्थान बनाया है।

पिछली वार्षिक साधारण बैठक के बाद से, श्री राम निवास जैन कंपनी के बोर्ड पर 20 नवंबर 2018 से गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संयुक्त सचिव (रिफाइनरी) श्री सुनील कुमार 30 मई 2019 से सरकारी नामित निदेशक के रूप में और श्री जी. राजेन्द्रन पिल्लई 15 जुलाई 2019 से गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त हुए हैं।

अब, आपकी अनुमति से मैं, आपकी कंपनी के निष्पादन तथा भावी योजनाओं की जानकारी देने से पूर्व वर्ष 2018-19 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले प्रमुख विकासों को

रेखांकित करना चाहता हूं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2018-19 में अनुमानित 6.8% के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ विश्व अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। गत वर्षों की तुलना में निर्माण एवं उत्पादन क्षेत्रों में उच्चतर वृद्धि पर यह वृद्धि आधारित है। सेवा क्षेत्र में भी स्थिर वृद्धि बनी रही। भारत सरकार द्वारा मुख्य नीतिगत सुधार से व्यवसाय वातावरण में मज़बूती आई और अर्थव्यवस्था में विश्वास के स्तर में वृद्धि हुई। विश्व बैंक के "ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस 2019" रैंकिंग में गत वर्ष के स्थान से 23 रैंक की छलांग लगाकर भारत अब 77वें स्थान पर है।

अपनी विशाल युवा आबादी, प्रयोज्य आय में वृद्धि, प्रगतिशील मध्यम वर्ग एवं प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में वृद्धि की संभावना के मद्देनजर मजबूत खपत के आधार के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था का विकासीय दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। ग्रामीण और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों पर जोर देने वाले संरचनात्मक सुधारों से आर्थिक विकास में और अधिक वृद्धि की उम्मीद है। वर्ष 2019-20 में देश की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7% होने का अनुमान है। भारत की ऊर्जा मांग आर्थिक विकास से नज़दीक से जुड़ी हुई है। यह उम्मीद की जाती है कि ऊर्जा की जरूरत और तेल की खपत आर्थिक विकास और प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत में वृद्धि के साथ बढ़ती रहेगी।

तेल क्षेत्र में विकास

वर्ष 2018-19 वैश्विक तेल उद्योग के लिए अनिश्चितताओं का वर्ष रहा जिसका कच्चे तेल के मूल्य निर्धारण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। वर्ष के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमत में भारी अस्थिरता देखी गई। अप्रैल 2018 में ब्रेंट क्रूड की कीमत यूएस $ 67 प्रति बैरल रही, अक्टूबर 2018 में यूएस $ 86 प्रति बैरल तक पहुंची जो दिसंबर 2018 में यूएस $ 50 प्रति बैरल के निचले स्तर तक गिरी और मार्च 2019 की समाप्ति तक यूएस $ 68 प्रति बैरल पर आ गई। अमेरिका द्वारा ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध, वेनेजुएला और लीबिया में राजनीतिक अस्थिरता, ओपेक और कुछ गैर-ओपेक तेल उत्पादक देशों द्वारा समन्वित उत्पादन में कटौती एवं बढ़ोत्तरी, यूएसए तथा चीन के बीच व्यापारिक तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि के धीमे होने के संकेत सहित विविध कारणों से कच्चा तेल मूल्य गतिविधि वर्ष भर प्रभावित रही। कच्चे तेल की भारतीय बास्केट के लिए कीमत वर्ष 2017-18 में औसतन यूएस $ 56 प्रति बैरल थी जो

वर्ष 2018-19 में करीब यूएस $ 70 प्रति बैरल तक बढ़ी, अर्थात इसमें करीब 25% की वृद्धि हुई।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता, भूराजनीतिक घटनाएँ, आपूर्ति तथा शिपिंग और अन्य कारकों से वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान कच्चे तेल के मूल्यों में भारी अस्थिरता बने रहने की संभावना है।

तेल बाजार में विभिन्न वाह्य तत्वों के प्रभावों के बावजूद, पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू खपत में वृद्धि जारी रही और गत वर्ष की तुलना में 2.7% वृद्धि के साथ 2018-19 में 212 मिलियन टन तक पहुंची है। उत्पादन और निर्माण गतिविधियों में वृद्धि, बढ़ती गतिशीलता आवश्यकता, तीव्र शहरीकरण और देश के विभिन्न भागों में पेट्रोलियम उत्पादों की विस्तारित पहुँच से पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में काफी वृद्धि हुई है।

वाहन फ्लीट के साथ निर्माण एवं ढांचागत विकास गतिविधियों में तीव्रता के चलते पेट्रोल और डीजल खपत में क्रमश: 8.1% और 3% की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत सरकार द्वारा शुरू की गयी प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना एवं अन्य एलपीजी कार्यक्रमों द्वारा विस्तारित एलपीजी कवरेज प्रदान करने के कारण एलपीजी खपत में 6.8% की मजबूत वृद्धि हुई है। खाना बनाने हेतु एलपीजी के बढ़ते प्रयोग के कारण केरोसीन की खपत में 10.1% की कमी हुई है। विमानन आधारभूत संरचना एवं क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने हेतु भारत सरकार के प्रयासों से घरेलू यात्री यातायात में निरंतर भारी वृद्धि के चलते एटीएफ की खपत में 9.1% की सशक्त वृद्धि दर्ज हुई।

वर्ष 2018-19 में वहन करने योग्य तथा संधारणीय ऊर्जा तक वैश्विक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य के कारण भारत के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कई दूरगामी नीतिगत सुधार हुए। स्वच्छ ईंधन आधारित कुकिंग की दिशा में परिवर्तन की गति बढ़ाने हेतु वर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना का क्रियान्वयन जारी रखा गया। भारत सरकार द्वारा देश में स्वच्छ ईंधन के उपयोग और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य के अंतर्गत शहरी गैस वितरण पर अधिक बल, जैव ईंधन-2018 पर राष्ट्रीय नीति की अधिसूचना और "सतत" (सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन) कार्यक्रम की शुरूआत की गयी।

बीएस VI श्रेणी की ऑटो इंधनों की आपूर्ति दिल्ली के अतिरिक्त 12 एनसीआर जिलों और आगरा शहर में विस्तारित की गयी। देशभर में 1 अप्रैल 2020 से बीएस VI ऑटो ईंधन की शुरुआत करने की योजना है।

एचपीसीएल का निष्पादन

अब मैं बड़े गर्व और संतुष्टि के साथ वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए आपकी कंपनी के वित्तीय और भौतिक निष्पादन का विवरण प्रस्तुत करता हूँ।

वित्तीय

आपकी कंपनी ने वर्ष 2018-19 के दौरान 22% वृद्धि के साथ 2,95,713 करोड़ रुपए की अब तक की सर्वाधिक सकल बिक्री दर्ज़ की है। वर्ष 2018-19 के लिए शुद्ध लाभ 6,029 करोड़ रुपये रहा और सकल रिफ़ाइनिंग लाभ (जीआरएम) औसतन 5.01 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा।

इस उत्कृष्ट वित्तीय निष्पादन के कारण वर्ष 2018-19 में 39.56 रुपये का सशक्त प्रति शेयर अर्जन रहा।

आपकी कंपनी ने वर्ष 2018-19 के लिए फरवरी 2019 में प्रदत्त 6.50 रूपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अलावा 9.40 रूपए प्रति शेयर अंतिम लाभांश प्रस्तावित किया है जिसके परिणामस्वरुप वर्ष 2018-19 में कुल प्रदत्त लाभांश 15.90 रूपए प्रति शेयर रहा।

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के कुल नेट वर्थ में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज हुई जो 31 मार्च, 2019 को 28,175 करोड़ रुपये तक पहुंचा जो पिछले वर्ष 31 मार्च, 2018 को 23,948 करोड़ रुपये था।

आपकी कंपनी के सभी परिचालित संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों ने 2018-19 के दौरान अच्छा निष्पादन किया और आपकी कंपनी को 6,691 करोड़ रुपये समेकित शुद्ध लाभ दर्ज करने में सहायता की।

मुझे आपको बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपकी कंपनी को विभिन्न मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से निरंतर मजबूत क्रेडिट रेटिंग मिलती रही है।

आपकी कंपनी को "मूडीज़ इन्वेस्टर्स सर्विस" द्वारा "Baa2" की क्रेडिट रेटिंग और 'फिच रेटिंग्स द्वारा "BBB-" की क्रेडिट रेटिंग दी गई। क्रेडिट रेटिंग संप्रभु रेटिंग के समकक्ष हैं और

'स्थिर' दृष्टिकोण को दर्शाती है।

वर्ष 2018-19 के दौरान असाधारण निष्पादन ने वृद्धि गति को और तीव्र करने और भविष्य में नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे विश्वास को प्रबल किया है।

भौतिक निष्पादन

वर्ष 2018-19 में आपकी रिफाइनरियों ने विश्वसनीयता और परिचालनगत श्रेष्ठता पर लगातार बल देते हुए उत्कृष्ट भौतिक निष्पादन दर्ज किया है। लगातार दूसरे वर्ष, मुंबई और विशाख स्थित दोनों रिफाइनरियों ने अपना सर्वोत्तम थ्रुपुट दर्ज किया जिससे एचपीसीएल 117% की क्षमता उपयोग के साथ 18.44 मिलियन टन थ्रुपुट के रिफाइनिंग स्तर को पार कर सका।

रिफाइनरियों ने एलपीजी, बिटुमिन और ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक (एलओबीएस) के उच्चतम उत्पादन को प्राप्त किया। रिफाइनरियों ने अपनी ऊर्जा सक्षमता निष्पादन में सुधार जारी रखा है और वर्ष 2018-19 में संयुक्त आधार पर सबसे कम विशिष्ट ऊर्जा खपत दर्ज की।

आपकी कंपनी ने पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन में पिछले वर्ष की तुलना में 4.9% की वृद्धि के साथ 38.7 मिलियन टन की आज तक की सर्वाधिक बिक्री मात्रा हासिल की है।

रिटेल बिक्री में, आपकी कंपनी ने 3.3% की वृद्धि के साथ 24.54 मिलियन टन बिक्री मात्रा प्राप्त की और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के बीच पेट्रोल तथा डीजल की संयुक्त बिक्री में बाजार हिस्से में 0.17% की वृद्धि दर्ज की। यह निष्पादन विभिन्न ग्राहक केन्द्रित पहल के प्रभावी क्रियान्वयन, रिटेल नेटवर्क का विवेकपूर्ण विस्तार और मुख्य प्रक्रियाओं में ऑटोमेशन हेतु सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के कारण प्राप्त हुआ है। वर्ष के दौरान एचपीसीएल द्वारा चयनित वाणिज्यिक ग्राहकों को उनके परिसर में डीजल की डोरस्टेप डिलीवरी हेतु एक नई पहल "एचपी फ्यूल कनेक्ट" शुरू की गई।

आपकी कंपनी ने भारत की दूसरे सबसे बड़े एलपीजी विपणन कर्ता का अपना स्थान बनाए रखा है। आपकी कंपनी ने ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि, आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण और सुधारित ग्रामीण पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए 7.1% की मजबूत वृद्धि के साथ 6.55 मिलियन टन की अब तक की सर्वाधिक एलपीजी बिक्री मात्रा प्राप्त की। वर्ष 2018-19 के दौरान 1 करोड़ से अधिक ग्राहक एचपीसीएल द्वारा प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के रूप में

नामित किए गए जिससे एचपीसीएल में पीएमयूवाय लाभार्थियों की कुल संख्या करीब 2 करोड़ हो गई है। 27,000 से अधिक प्रधान मंत्री एलपीजी पंचायत के जरिए 34 लाख से भी अधिक लोगों को एलपीजी के सुरक्षित एवं सतत उपयोग के बारे में जागरूक किया गया।

उच्च प्रतिस्पर्धी घरेलू ल्यूब्रिकेंट बाजार में आपकी कंपनी ने कुल 650 टीएमटी से अधिक ल्यूब्रिकेंट की बिक्री कर लगातार छठवें वर्ष भारत की सबसे बड़ी ल्यूब विपणन कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया। यह श्रेष्ठ निष्पादन ओईएम सहभागिता पर लगातार ध्यान, बाजार और एमएसएमई खंडों में विस्तार और नए ल्यूब्रिकेंट ग्रेड तथा विशेषताओं के विकास से प्राप्त हो सका। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि आपकी कंपनी ने विभिन्न विदेशी ल्यूब्रिकेंट बाज़ारों में अपने पदचिन्ह अंकित कर दिये हैं और यह 11 देशों को ल्यूब्स की आपूर्ति कर रही है। आपकी कंपनी की विदेशी सहायक कंपनी "एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफ़ज़ेडसीओ" ने मध्य-पूर्व और अफ्रीका के वृद्धिगत बाजारों को सेवा प्रदान करने हेतु दुबई में अपना परिचालन शुरू किया है।

औद्योगिक और ग्राहक बिक्री में आपकी कंपनी महत्वपूर्ण एकाउंट्स तथा एमएसएमई खंडों पर ध्यान केंद्रित कर फ्यूल ऑयल, डीजल और बिटुमिन की बिक्री बढ़ाने पर जोर दे रही है। उपर्युक्त रणनीति के साथ, इनमें से प्रत्येक उत्पाद की बिक्री लगातार चौथे वर्ष 1 मिलियन पार कर चुकी है और 7% वृद्धि के साथ कुल बी2बी बिक्री मात्रा 6 मिलियन टन पार कर चुकी है।

तेजी से विकसित हो रहे विमानन ईंधन क्षेत्र में आपकी कंपनी ने 20% की प्रभावी वृद्धि के साथ 875 टीएमटी बिक्री मात्रा दर्ज की है। इस उपलब्धि में देश में सभी मुख्य हवाई अड्डों पर विमानन सेवा सुविधाओं के बड़े नेटवर्क के प्रभावी उपयोग का योगदान रहा है।

ये विविध विपणन उपलब्धियां आपूर्ति श्रृंखला प्रकार्यों के उत्कृष्ट निष्पादन के परिणामस्वरुप हासिल की जा सकी। डिपो और टर्मिनलों के नेटवर्क के प्रभावी तथा सक्षम प्रबंधन के कारण 52 मिलियन टन के तरल ईंधन की उच्चतम थ्रुपुट की प्राप्ति हुई। परिचालनगत दक्षता को और अधिक बढ़ाने हेतु कुछ आपूर्ति कार्यस्थलों को विभिन्न प्रक्रियाओं के संपूर्ण स्वचालन एवं निर्बाध एकीकरण के माध्यम से 'स्मार्ट' टर्मिनल में परिवर्तित किया गया।

पाइपलाइन नेटवर्क उत्पाद परिवहन की रीढ़ की हड्डी बनी हुई है और आपकी कंपनी की एक प्रमुख प्रतिस्पर्धी ताकत है। वर्ष के दौरान 21.5 मिलियन टन पाइपलाइन थ्रुपुट दर्ज हुआ

जिससे लॉजिस्टिक लागत तथा कार्बन पदचिन्हों में उल्लेखनीय कमी करने में सहायता मिली।

डाउनस्ट्रीम प्राकृतिक गैस व्यवसाय में आपकी कंपनी ने नई सृजित सहायक उद्यम कंपनी एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से कोल्हापुर और अंबाला - कुरुक्षेत्र के भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी परियोजनाएं शुरू कर अपनी उपस्थिति दर्ज की। आपकी कंपनी हरियाणा के जींद और सोनीपत में भी सीजीडी स्थापित कर रही है। मुझे सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि पीएनजीआरबी द्वारा 10वें सीजीडी बिडिंग राउंड में आपकी कंपनी को 9 नए भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क के विकास हेतु अधिकृत किया गया है जो कि बिडिंग राउंड में किसी एक एंटिटी को आबंटित सबसे ज्यादा भौगोलिक क्षेत्रों में से एक है। इस उपलब्धि के साथ आपकी कंपनी 9 राज्यों के 20 भौगोलिक क्षेत्रों में स्वयं तथा अपनी संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा सीजीडी नेटवर्क हेतु अधिकृत है। सीजीडी के अलावा आपकी कंपनी ने वृहद स्तर पर प्राकृतिक गैस आधारभूत परियोजनाओं हेतु निवेश किया है। गुजरात के छारा पोर्ट में संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे 5 एमएमटीपीए एलएनजी रिगैसीफिकेशन टर्मिनल हेतु पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त हुई है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने महाराष्ट्र और राजस्थान में अपने विंड फॉर्म से विद्युत की 190 मिलियन इकाइयों का उत्पादन किया है और वर्ष के दौरान परिचालन कार्यस्थलों पर आबद्ध सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए है।

वर्ष के दौरान पूर्ण परियोजनाएं

वृद्धि प्राप्त करने और बढ़ती तेल मांग को पूरा करने हेतु आपकी कंपनी ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के विभिन्न खंडों की संरचना में रणनीतिपूर्ण निवेश कर रही है। अब तक के उच्चतम रूपए 12,438 करोड़ के पूंजीगत व्यय के साथ वर्ष 2018-19 के दौरान कई पूंजीगत परियोजनाएं पूरी हुई और विविध अन्य परियोजनाओं का क्रियान्वयन जारी है।

रमनमंडी बहादुरगढ़ पाइपलाइन (आरबीपीएल) के 4.71 से 7.11 एमएमटीपीए क्षमता विस्तार हेतु परियोजना को निर्धारित लागत और समय में पूरा किया गया। क्रॉस कंट्री पाइपलाइन नेटवर्क को 3370 किलोमीटर से 5131 किलोमीटर तक ले जाने हेतु अन्य पाइपलाइन परियोजनाएं पूर्णता के विविध स्तर पर हैं।

मुंबई एवं विशाख रिफ़ाइनरी की वर्तमान प्रमुख विस्तार परियोजनाओं के अलावा रिफ़ाइनरी यूनिटों की क्षमता बढ़ाने तथा ऊर्जा दक्षता, सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने के लिए प्रक्रिया सुधार की कई पहल कार्यान्वित की गई।

वर्ष के दौरान डिपो और टर्मिनल आपूर्ति नेटवर्क का आवर्धन किया गया। साथ ही विशाख ब्लैक ऑयल टर्मिनल में नई रेलवे टैंक वैगन गैंट्री का शुभारंभ किया गया और जबलपुर डिपो में विद्यमान टैंक वैगन सुविधा का पुनर्निमाण हुआ। अमृतसर, भुवनेश्वर, रायपुर और कोल्हापुर हवाई अड्डों पर नई विमानन सेवा सुविधाओं के निर्माण से विमानन ईंधन बुनियादी संरचना मजबूत हुई।

एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण क्षमताओं को मजबूत करने हेतु वर्ष के दौरान विद्यमान बॉटलिंग संयंत्रों में 330 टीएमटीपीए की बॉटलिंग क्षमता जोड़ी गई। तेलंगाना के वारंगल जिले में 60 एमएमटीपीए बॉटलिंग की क्षमता वाला नया एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र शुरू किया गया।

एलपीजी के स्रोत से एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र तक एलपीजी परिवहन के लिए रेल मंत्रालय की उदारीकृत वैगन निवेश योजना (एलडबल्यूआईएस) के अंतर्गत एचपीसीएल, एलपीजी रेक स्वामित्व वाली पहली तेल विपणन कंपनी है और इसने 2018-19 के दौरान 4 एलपीजी रेक की अधिप्राप्ति की है। इससे एचपीसीएल को परिवहन लागत कम करने एवं एलपीजी के सुरक्षित और आसान परिवहन में सहायता प्राप्त हुई है।

विद्युत खपत से कार्बन पदचिह्न कम करने हेतु वर्ष के दौरान विविध कार्यस्थलों पर आबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई जिसकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 11 मेगावॉट से अधिक है।

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)

आपकी कंपनी अपनी प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बढ़ाने के लिए नवाचार और अनुसंधान एवं विकास पर लगातार बल दे रही है। वर्तमान प्रक्रियाओं में परिचालनगत सुधार और नई प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद का विकास द्वारा आपकी कंपनी के अनुसंधान और विकास विभाग ने रिफ़ाइनिंग और विपणन कार्यों के लिए महत्वपूर्ण मूल्य सृजित किया है। बेंगलुरु स्थित एचपीसीएल के कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केन्द्र ने 17 नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों का विकास तथा प्रदर्शन किया है। वर्ष के दौरान 6 अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट सहित 12 पेटेंटों

की मान्यता आपकी कंपनी के अनुसंधान एवं विकास में व्यापक प्रयासों का प्रमाण है।

हमारे द्वारा अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केन्द्रित करने से मौजूदा परिचालन में आपकी कंपनी को बढ़त प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के व्यापक पैमाने पर व्यावसायीकरण के लिए नए आयाम भी खुलेंगे।

स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण एवं संधारणीयता

व्यावसायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए, सुरक्षा एवं संधारणीयता हमारी सभी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र में बनी रही है। वर्ष 2018-19 के दौरान आपकी कंपनी ने ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण और हरित क्षेत्र विकास के क्षेत्रों में कई पहल कार्यान्वित कर अपने संधारणीय विकास प्रयासों को प्रमुखता से आगे बढ़ाया है।

आपकी कंपनी निम्न कार्बन वृद्धि और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय बायोफ्यूल्स कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागी हो रही है। वर्ष के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर औसत 5.5% के साथ पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का अधिकतम प्रतिशत प्राप्त किया गया है। भारत सरकार के वहन करने योग्य परिवहन की दिशा में संधारणीय वैकल्पिता (सतत) कार्यक्रम के अंतर्गत आपकी कंपनी ने संपीडित बायो-गैस के विपणन के प्रयासों की पहल की है।

आपकी कंपनी पिछले 7 वर्षों से वार्षिक संधारणीयता रिपोर्ट द्वारा पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर अपने निष्पादन की रिपोर्ट प्रकाशित करती है। वर्ष 2018-19 के लिए 8वीं संधारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित की गयी है जो कि जीआरआई मानकों पर आधारित है और एए 1000 आश्वासन मानक पर पूरी तरह आश्वासित है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपकी कंपनी सामाजिक दायित्व और व्यवसाय वृद्धि के तालमेल हेतु प्रतिबद्ध है और प्रभावी सीएसआर पहल द्वारा सामाजिक पूंजी में वृद्धि हेतु प्रयत्नशील है। आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान शिशु देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में करीब 2 लाख वंचित लोगों के जीवन को सम्पन्न बनाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए प्रभावी रूप से अपना योगदान दिया है जिसके अंतर्गत वर्ष 2018-19 के दौरान लगभग 160 करोड़

रूपए सीएसआर कार्यक्रमों पर खर्च किए हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत आपकी कंपनी ने देश भर में 2018-19 के दौरान स्कूलों में 500 से अधिक शौचालयों का निर्माण किया। इसके आलावा वर्ष के दौरान पुरुष, महिला और दिव्यांगजनों के लिए कुल 1,639 रिटेल आउटलेटों पर अलग सुविधाओं वाले नए शौचालय बनाए गए। लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग बनाने हेतु देश भर में कई पहल की गई।

आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन

आपकी कंपनी के पास जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क के जरिए व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए व्यापक और सुपरिभाषित मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएं हैं। कच्चे तेल की आपूर्ति, कच्चे तेल के मूल्यों में अस्थिरता, विदेशी मुद्रा जोखिम, प्रतिस्पर्धा तीव्रता, जलवायु परिवर्तन चिंता इत्यादि सहित सभी जोखिमों की समीक्षा की जाती है ताकि समुचित जोखिम कम करने संबंधी योजनाओं और हस्तक्षेपों को लागू किया जा सके।

कॉर्पोरेट अभिशासन

आपकी कंपनी कॉर्पोरेट अभिशासन के उच्चतम मानकों के साथ परिचालन हेतु प्रतिबद्ध रही है। सभी व्यावसायिक गतिविधियां गंभीरता से विनियामक ढांचे के अनुसार नैतिकता, जिम्मेदारी, पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और व्यावसायिकता के ठोस मूल्यों के साथ आयोजित होती हैं। आपकी कम्पनी सभी स्टेकधारकों से सम्बन्ध बनाए रखने, विश्वास को पुष्ट करने तथा स्टेकधारकों हेतु संधारणीय मूल्य सृजन सुनिश्चित करने में विश्वास रखती है।

कॉर्पोरेट अभिशासन आवश्यकताओं से संबंधित सेबी की सूची में विर्निदिष्ट सभी अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन किया गया है।

मानव संसाधन

आपकी कंपनी की ताकत इसके कर्मचारी हैं, जो कुशल, सक्षम और समर्पित हैं। हमारे सभी पेशेवर प्रयासों में स्टेकधारकों के लिए मूल्य निर्माण ही हमारा ध्येय है। आपकी कंपनी का निरंतर प्रयास रहा है कि एक ऐसा वातावरण बनाया जाए जहाँ कर्मचारी उत्कृष्टता प्रदान

करने का प्रयास करें। आपकी कंपनी ने कर्मचारी संलग्नता में सुधार, सक्षमता निर्माण एवं नेतृत्व विकास हेतु अनेक पहल की है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यबल की क्षमताओं को लगातार उन्नत किया गया है।

मैं, इस अवसर पर सुरक्षित और कुशल परिचालन और स्वस्थ औद्योगिक वातावरण बनाए रखने में अपने सभी कर्मचारियों के योगदान तथा यूनियनों एवं असोसिएशनों के सक्रिय सहयोग के लिए उनको धन्यवाद देता हूं।

पुरस्कार और सम्मान

अपने हर प्रकार की सर्वोत्कृष्टता के लिए वर्ष के दौरान आपकी कंपनी को विभिन्न मंचों पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिसमें फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (फिपी) द्वारा लगातार तीन वर्षों तक "ऑइल मार्केटिंग कंपनी ऑफ द ईयर' पुरस्कार और डन एण्ड ब्रेडस्ट्रीट द्वारा "बेस्ट नवरत्न इन मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसिंग एंड जनरेशन सेक्टर' पुरस्कार और केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा "विजिलेंस एक्सलेंस अवार्ड 2018" पुरस्कार शामिल हैं।

रणनीति और व्यापार योजनाएं

वर्ष 2018-19 के दौरान कंपनी का निष्पादन ग्राहकों द्वारा व्यक्त विश्वास और निष्ठा तथा सभी हितधारकों के दृढ़ समर्थन का परिणाम रहा है। आपकी कंपनी यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि वह सतत लाभदायक वृद्धि के पथ पर बनी रहे और अपने हितधारकों के लिए मूल्य वर्धन जारी रखे।

आपकी कंपनी रिफ़ाइनिंग एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ोतरी और ग्राहक पहुँच द्वारा रिफ़ाइनिंग और विपणन का मुख्य व्यवसाय सुदृढ़ करने पर केन्द्रित है। इसके अतिरिक्त पेट्रोकेमिकल्स में मजबूत उपस्थिति स्थापित कर, प्राकृतिक गैस व्यवसाय में अपने पैर जमाकर एवं विश्व में अपनी विपणन उपस्थिति का विस्तार कर वृद्धि के नए अवसर सृजित करने पर भी बल दिया जा रहा है।

पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग के चलते उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि के लिए आपकी कंपनी ने विशाख और मुंबई रिफाइनरियों में क्षमता विस्तारण परियोजना शुरू की है।

विशाख रिफ़ाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना (वीआरएमपी) 20928 करोड़ रुपए की लागत से निष्पादित की जा रही है जिससे रिफाइनरी की क्षमता 8.33 मिलियन मैट्रिक टन प्रति वर्ष से 15 मिलियन मैट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। इस परियोजना में बॉटम अपग्रेडेशन एवं बीएस VI के अनुरुप मोटर ईंधन का उत्पादन शामिल है। 5060 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई रिफाइनरी की क्षमता को 7.5 मिलियन मैट्रिक टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 9.5 मिलियन मैट्रिक टन प्रतिवर्ष किया जा रहा है एवं बीएस VI मोटर ईंधन उत्पादन की क्षमता स्थापित की जा रही है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से रिफाइनरियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी।

वर्ष 2018-19 के दौरान, विशाख रिफ़ाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना (वीआरएमपी) एवं मुंबई रिफाइनरी विस्तार परियोजना (एमआरईपी), दोनों ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की और कई मील के पत्थर हासिल किए।

मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफ़ाइनरी लिमिटेड जो कि एचपीसीएल और राजस्थान सरकार की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, ने राजस्थान में बाड़मेर जिले के पचपदरा में 9 एमएमटीपीए रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल्स परियोजना स्थापित करने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। सभी 13 प्रक्रिया यूनिटों के लिए प्रौद्योगिकी चयन का काम पूरा हो गया है। इंजीनियरिंग गतिविधियां प्रगति पर हैं और साइट निर्माण गतिविधियां शुरू हो गयी हैं। इस परियोजना का वित्तीय समापन भी पूरा किया गया है। यह परियोजना 43,129 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित की जा रही है।

आपकी कंपनी पेट्रोकेमिकल्स व्यापार पर विशेष जोर दे रही है और पेट्रोकेमिकल्स के विपणन हेतु सुदृढ़ रणनीति और कार्य-योजना विकसित की है। राजस्थान के बाड़मेर में एकीकृत पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स में उत्पादन शुरू होने से पूर्व ही पेट्रोकेमिकल्स विपणन क्षमताओं का निर्माण और डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल्स में उपस्थिति पर हमारा ध्यान केन्द्रित है।

पाइपलाइन नेटवर्क विस्तार एवं क्षमता संवर्धन कंपनी के लिए एक मुख्य क्षेत्र है। अनुमानित 5,555 करोड़ रुपये के निवेश के साथ चल रही पाइपलाइन परियोजनाएं पूर्णता के विविध चरणों में हैं। इनमें मुंद्रा-दिल्ली-पाइपलाइन (एमडीपीएल), विशाख-विजयवाड़ा-सिकंदरबाद पाइपलाइन (वीवीएसपीएल), विजयवाड़ा-धरमपुरी पाइपलाइन (वीडीपीएल), पालनपुर-वड़ोदरा पाइपलाइन (पीवीपीएल) और उरण-चाकण / शिकरापुर एलपीजी पाइपलाइन शामिल हैं।

मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि एचपीसीएल को 2.2 एमएमटीपीए क्षमता की कर्नाटक में हासन से तेलंगाना में चेरलापल्ली तक एलपीजी पाइपलाइन बिछाने के लिए पीएनजीआरबी से प्राधिकार प्राप्त हो गया है। विद्यमान मैंगलोर-हासन-मैसूर-येदियूर एलपीजी पाइपलाइन क्षमता विस्तार की भी योजना है।

आपकी कंपनी आईओसीएल तथा बीपीसीएल के साथ सहभागिता कर गुजरात में कांडला से लेकर उत्तर प्रदेश में गोरखपुर तक देश की सबसे बड़ी 2,757 किलो मीटर लंबी एलपीजी पाइपलाइन परियोजना का निष्पादन कर रही है। संयुक्त उद्यम कंपनी को जुलाई 2019 में आईएचबी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से निगमित किया गया है।

इसी क्रम में, आपूर्ति श्रृंखला की क्षमता बढ़ाने हेतु, वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर वृद्धि के साथ नए एलपीजी संयंत्र, डिपो, टर्मिनल और विमानन फ्यूल स्टेशन सहित कई विपणन परियोजनाएं शुरू की गयी हैं। आपकी कंपनी मैंगलुरु में एक नया 80 टीएमटी भंडारण एलपीजी केवर्न भी स्थापित कर रही है।

आपकी कंपनी डाउनस्ट्रीम गैस अवसंरचना सुविधाओं में निवेश कर रही है जिसमें 3 प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और संयुक्त उद्यम के माध्यम से गुजरात के छारा में 5 एमएमटीपीए एलएनजी रीगैसिफिकेशन टर्मिनल शामिल हैं। आवंटित भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क के विकास और भावी सीजीडी बोली में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सीजीडी व्यवसाय के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आपकी कंपनी दूसरी पीढ़ी (2जी) इथेनॉल उत्पादन सुविधाओं का निर्माण और रिटेल आउटलेटों से संपीडित बायो-गैस के विपणन द्वारा बायो-फ्यूल खण्ड में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना भी बना रही है।

अगले पांच साल की अवधि में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 74,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय परिकल्पित किया गया है।

आपकी कंपनी ने उत्पादकता, सुरक्षा, लागत प्रभावशीलता और ग्राहक अनुभव में सुधार हेतु प्रौद्योगिकी अद्यतनीकरण जारी रखा है। व्यवसाय के सभी भागों में आ रही डिजिटल प्रौद्योगिकियों की संभावना को कार्यरत करने हेतु एक सम्पूर्ण डिजिटल रणनीति और रोडमैप विकसित किये जा रहे हैं।

तकनीकी विकास और नवाचार समर्थन के लिए आपकी कंपनी ने "एचपीसीएल स्टार्ट अप इंडिया" योजना के अंतर्गत 18 स्टार्ट अप से अपने को जोड़ा है।

भारत के आर्थिक विकास के नए युग में प्रवेश से घरेलू ऊर्जा मांग में वृद्धि होने की अपेक्षा है। जलवायु परिवर्तन चिंता में बढ़ोतरी और ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियाँ, ऊर्जा अंतरण के परिदृश्य और ऊर्जा के विभिन्न प्रकारों के बीच आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित करेंगे। तथापि, मांग में वृद्धि के अनुमानों, अपेक्षित पैठ का स्तर, बुनियादी ढांचे की उपलब्धता एवं ग्राहकों की प्राथमिकताओं को देखते हुए यह आशा की जाती है कि नए ऊर्जा स्रोत बढ़ती हुई मांग के एक हिस्से को ही पूरा कर पाने में समर्थ होंगे एवं भारत में निकट भविष्य में हाइड्रोकार्बन अंततः ऊर्जा खपत का मुख्य आधार बना रहेगा।

अपने पोर्टफोलियो के विवेकपूर्ण विस्तार, ढांचागत संरचना सक्षमता, सशक्त ग्राहक फोकस, नवाचार प्रभावित संकृति और प्रतिभाशाली कार्य बल द्वारा ऊर्जा परिवर्तन परिदृश्यों को स्वीकार करने में आपकी कंपनी उचित स्थिति में है।

आपकी कंपनी रिफ़ाइनरीज़ एवं पेट्रोकेमिकल्स, विपणन ढांचागत संरचना, प्राकृतिक गैस, बायो ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और नव युग प्रौद्योगिकी द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में वर्तमान एवं भविष्य की संभावनाओं की तलाश करना जारी रखेगी और शेयरधारकों के लिए मूल्य वर्धन करेगी।

अभिस्वीकृति

देवियो और सज्जनो, अपनी बात समाप्त करने से पहले, मैं निदेशक मंडल की ओर से, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालयों और विभागों को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और परामर्श के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ और भविष्य में भी उनके निरंतर समर्थन की अपेक्षा करता हूँ। हम अपने व्यापार के सुचारू संचालन में विभिन्न स्थानीय प्राधिकारियों, अन्य नियामक एवं सांविधिक प्राधिकारियों, बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से मिले समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त करते हैं।

मैं और मेरे साथी निदेशकगण सभी शेयरधारकों से मिले समर्थन और विश्वास के लिए उनके प्रति आभारी हैं। आपने आज हमें जो समय दिया है, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

मैं अपने सभी ग्राहकों, डीलरों, वितरकों और सभी व्यावसायिक सहयोगियों का भी आभार

व्यक्त करता हूं, जो कि हमारे व्यवसाय का अभिन्न अंग हैं। मैं अपने सभी कर्मचारियों का भी उनकी सतत प्रतिबद्धता तथा अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

मैं श्री संदीप पौण्डरिक और सुश्री सुषमा ताइशेटे के योगदान को स्वीकार करता हूँ जो कंपनी के बोर्ड में सरकार की ओर से नामित पदेन निदेशक रहे हैं। मैं श्री जे. रामस्वामी पूर्व निदेशक-वित्त तथा श्री एस. जयकृष्णन पूर्व निदेशक-विपणन के सहयोग को भी स्वीकार करता हूँ जो इस वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए हैं। मैं इस अवसर पर निदेशक मंडल के अपने साथियों को भी उनके परिपक्व परामर्श के लिए धन्यवाद देता हूं।

मैं अपने सभी हितधारकों के साथ निरन्तर भागीदारी और सहयोगपूर्ण ढंग से कार्य करने की अपेक्षा करता हूं ताकि हम लोगों के जीवन को स्पर्श करने की अपनी विरासत को बनाए रखें और हम एक खुशियां बिखेरने वाली कंपनी बने रहें।
धन्यवाद

स्थान : मुम्बई
दिनांक : 21 अगस्त, 2019

मुकेश कुमार सुराणा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक